बंगाल के राज्यपाल के साथ हिंदी विवि के कुलपति की लंबी बैठक

वर्धा। देश के जाने-माने मनोविज्ञानी तथा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र चार दिनों की यात्रा पर 18 मार्च की सुबह कोलकाता पहुंचे। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की स्थापना के सौ साल पूरा होने के अवसर पर 18 व 19 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। उन्होंने कतिपय सत्रों की अध्यक्षता भी की। प्रो. मिश्र ने कोलकाता यात्रा के दौरान पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी से मुलाकात की और उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित किताबों का एक सेट भेंट किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने भी अपनी किताबें कुलपति को भेंट की। राज्यपाल के साथ कुलपति की बैठक ढाई घंटे तक चली।

कुलपति प्रो. मिश्र ने 20 मार्च को विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र में भाषा और यथार्थ पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि एक परफार्मेंस भी है जिसके माध्यम से मित्र भी बनाया जा सकता है और शत्रु भी। यह हमें तय करना है कि भाषा का उपयोग किस तरह का समाज बनाने में हम करना चाहते हैं। प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि भाषा की ताकत है कि घोर निराशा के समय में एक व्यक्ति ने निराशा का बिम्ब खींचने के बजाय उसे दूर करने के लिए अच्छे दिन लाने का सपना दिखाया और उसी का प्रभाव है जो आज का यथार्थ भी है कि वह व्यक्ति देश की सत्ता में है। प्रो. मिश्र ने कहा कि भाषा यथार्थ का निर्माण भी करती है। कुलपति ने इस अवसर पर कोलकाता केंद्र में संचालित होनेवाले पाठ्यक्रमों के बारे में हिंदी-बांग्ला के बुद्धिजीवियों के साथ बैठक भी की। कुलपति ने 21 मार्च को कोलकाता केंद्र के अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र की अकादमिक गतिविधियों की समीक्षा भी की। प्रो. मिश्र ने 22 मार्च को कोलकाता से प्रस्थान किया।